Rayat Shikshan Sanstha's

R. B. Narayanrao Borawake College, Shrirampur (Autonomous)

(Affiliated to Savitribai Phule Pune University, Pune)

Department of Hindi

FYUG Hindi Syllabus as per NEP-2020

Implemented

From

Academic Year: 2023-24

Course Structure of FYBA Hindi
(Semester-I and II)

Year	Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	Credit	No. of Lectures/ Practical to be conducted
1	I	Major (Core)	HN-MJ-111T	कथा साहित्य	Theory	4	60
			HN-MJ-112T	आधुनिक काव्य	Theory	2	30
		VSC	HN-VSC-113T	हिंदी पत्रकारिता	Theory	2	30
		SEC	HN-SEC-114T	हिंदी पत्राचार	Theory	2	30
		IKS	HN-IKS-115T	कबीर दर्शन	Theory	2	30
	II	Major (Core)	HN-MJ-121T	काव्य साहित्य एवं व्यावहारिक हिंदी	Theory	4	60
			HN-MJ-122T	कथेतर गद्य साहित्य	Theory	2	30
		VSC	HN-VSC-123T	माध्यम लेखन	Theory	2	30
		SEC	HN-SEC-124T	कार्यालयीन हिंदी	Theory	2	30
		Minor	HN-MN-125T	भक्ति एवं नीति साहित्य	Theory	2	30

Syllabus for F.Y.U.G. (Hindi)
Semester- I

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE (DSC–1)– कथा साहित्य

Course Code &title	Credits	Credit distribution of the course	
		Lecture	Practical
HN-MJ-111T - कथा साहित्य	4	4	--

- **उद्देश्य-**
  1. छात्रों को हिंदी कहानी साहित्य से अवगत कराना।
  2. छात्रों को हिंदी के प्रातिनिधिक गद्यकारो से परिचित कराना।
  3. छात्रों का मौलिक लेखन की ओर रुझान बढाना।
  4. छात्रों में लेखन कौशल विकसित करना।
  5. छात्रों में कथा साहित्य के मूल्यांकन का कौशल विकसित करना।
  6. छात्रों को कहानी की संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन से अवगत करना।
  7. छात्रों में सृजनात्मक शक्ति, कल्पना शक्ति, विचार क्षमता तथा सामाजिक ऐक्य की भावना विकसित कराना।
- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**
  1. छात्र हिंदी कहानी साहित्य से अवगत हुए।
  2. छात्र हिंदी के प्रातिनिधिक गद्यकारो से परिचित हुए।
  3. छात्रों का मौलिक लेखन की ओर रुझान बढ गया।
  4. छात्रों में लेखन कौशल विकसित हुआ।
  5. छात्रों में कथा साहित्य के मूल्यांकन का कौशल विकसित हुआ।
  6. छात्र कहानी की संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन से अवगत हुए।
  7. छात्रों में सृजनात्मक शक्ति, कल्पना शक्ति, विचार क्षमता तथा सामाजिक ऐक्य भावना विकसित हुई।

पाठ्यक्रम :-

इकाई क्रमांक	इकाई का नाम	विषय	आवश्यक तासिका
1	कहानी साहित्य	1) एक टोकरी भर मिट्टी – माधवराव सप्रे 2) सदगति – प्रेमचंद 3) विरामचिह्न – जयशंकर प्रसाद	15
2	कहानी साहित्य	4) हार की जीत – सुदर्शन 5) आतिथ्य – यशपाल 6) चीफ की दावत – भीष्म साहनी	15
3	कहानी साहित्य	7) मलबे का मालिक – मोहन राकेश 8) बिरादरी बाहर – राजेंद्र यादव 9) जिंदगी और गुलाब के फूल – उषा प्रियंवदा	15
4	कहानी साहित्य	10) दो कलाकार – मन्नु भंडारी 11) पिता – ज्ञानरंजन 12) मिसेज डिसुझा के नाम पत्र – अलका सरावगी	15

- **संदर्भ ग्रंथ**

1. साहित्य विविधा- संपादक: हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फूले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
2. मानसरोवर– प्रेमचंद
3. नई कहानी - राजेंद्र यादव
4. नई कहानी का स्वरूप विवेचन - डॉ. इंदू रश्मी
5. नई कहानी के विविध प्रयोग - शशीभूषण पांडेय शीतांशु
6. समकालीन हिंदी कहानी - डॉ. पुष्पपाल सिंह
7. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE (DSC–2)– आधुनिक काव्य

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course	
		Lecture	Practical
HN-MJ-112T–आधुनिक काव्य	2	2	--

- **उद्देश्य-**

1. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कवियों से परिचित कराना।
2. छात्रों में काव्य अध्ययन की दृष्टि विकसित करना।
3. छात्रों में काव्य के मूल्यांकन का कौशल विकसित करना।
4. छात्रों को काव्य की संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन से अवगत करना।
5. छात्रों में काव्य-सर्जनकलाका विकास करना।
6. छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टिकोन विकसित करना।
7. छात्रों में हिंदी काव्य साहित्य के प्रति अभिरुचि संवर्धित करना।
8. छात्रों में राष्ट्रप्रेम तथा सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित करना।
9. छात्रों का राष्ट्रीयऐक्य, वैज्ञानिकता, सामाजिक उत्तरदायित्व आदि मूल्यों के प्रति ध्यान आकर्षित करना।

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**

1. छात्र हिंदी के प्रतिनिधि कवियों से परिचित हो गए।
2. छात्रों में काव्य अध्ययन की दृष्टि विकसित हुई।
3. छात्रों में काव्य के मूल्यांकन का कौशल विकसित हुआ।
4. छात्र काव्य की संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन से अवगत हुए।
5. छात्रों में काव्य-सर्जन कला का विकास हुआ।
6. छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टिकोन विकसित हुआ।
7. छात्रों में हिंदी काव्य साहित्य के प्रति अभिरुचि संवर्धित हुई।
8. छात्रों में राष्ट्रप्रेम तथा सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित हुई।
9. छात्रों का राष्ट्रीय ऐक्य, सामाजिक उत्तरदायित्व, वैज्ञानिकता आदि मूल्यों के प्रति ध्यान आकर्षित हुआ।

पाठ्यक्रम :-

इकाई क्रमांक	इकाई का नाम	विषय	आवश्यक तासिका
1	काव्य साहित्य	1) पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी 2) मेरा जीवन - सुभद्राकुमारी चौहान 3)कोशिश करनेवालों की - सोहनलाल द्विवेदी 4) जो तुम आ जाते एक बार – महादेवी वर्मा	15
2	काव्य साहित्य	5) जो बीत गई – हरिवंशराय बच्चन 6) कालिदास – नागार्जुन 7) भोर हो गई - नरेंद्र शर्मा 8) टूटा पहिया - धर्मवीर भारती	15

- **संदर्भ ग्रंथ :-**

1. साहित्य विविधा – संपादक: हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फूले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
2. आधुनिक हिंदी के प्रतिनिधि कवि – डॉ. दारिकाप्रसाद सक्सेना
3. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. आधुनिक कविता : प्रमुख वाद एवं प्रवृत्तियाँ– दुर्गाशंकर मिश्र
5. आधुनिक काव्य : सांस्कृतिक चेतना – डॉ. राजपाल शर्मा
6. समकालीन कविता : प्रकृति और परिवेश – डॉ. रतनकुमार पांडेय
7. समकालीन हिंदी कविता - रवींद्र भ्रमर
8. आधुनिक काव्य और संस्कृति – डॉ. भक्तराज शास्त्री
9. आधुनिक हिंदी कविता में काव्य चिंतन – डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
10. नई कविता : पुरातन सूत्र – डॉ. मानसिंह शर्मा
11. नागार्जुन के काव्य का अनुशीलन – डॉ. पूनम बोरसे
12. साठोत्तरी कविता : विद्रोही प्रतिमान – डॉ. रतनकुमार पांडेय
13. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ. संतोषकुमार तिवारी

VOCATIONAL SKILLCOURSE (VSC–1)– हिंदी पत्रकारिता

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course	
		Lecture	Practical
HN-VSC-113T–हिंदी पत्रकारिता	2	2	--

- **उद्देश्य-**

1. छात्रों को पत्रकारिता के स्वरूप से परिचित कराना।
2. छात्रों में पत्रकारिता से संबंधित लेखन कौशल विकसित करना।
3. छात्रों को पत्रकारिता के विभिन्न भेदों से अवगत कराना।
4. छात्रों में समाचार लेखन कौशल विकसित कराना।
5. छात्रों को समाचार के तत्वों से अवगत कराना।
6. छात्रों को समाचार लेखन के सिद्धांतों की जानकारी देना।
7. छात्रों को समाचार लेखन के सोपानों से अवगत कराना।
8. छात्रों को समाचार लेखक के गुणों से परिचित कराना।
9. छात्रों को पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार प्राप्ति हेतु तैयार करना।

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**

1. छात्र पत्रकारिता के शास्त्रशुद्ध स्वरूप से परिचित हो गए।
2. छात्रों में पत्रकारिता से संबंधित लेखन कौशल विकसित हुआ।
3. छात्र पत्रकारिता के विभिन्न भेदों से अवगत हुए।
4. छात्रों में समाचार लेखन कौशल विकसित हुआ।
5. छात्र समाचार के तत्वों से अवगत हुए।
6. छात्रों को समाचार लेखन के सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त हुई।
7. छात्र समाचार लेखन के सोपानों से अवगत हुए।
8. छात्र समाचार लेखक के गुणों से परिचित हुए।
9. छात्र पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार प्राप्ति हेतु तैयार हुए।

पाठ्यक्रम :-

इकाई क्रमांक	इकाई का नाम	विषय	आवश्यक तासिका
1	पत्रकारिता	1. पत्रकारिता का स्वरूप एवं महत्व 2. पत्रकारिता की परिभाषाएँ 3. पत्रकारिता के विभिन्न प्रकार – सामान्य परिचय आर्थिक पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता, कृषि पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, महिला पत्रकारिता,बाल पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता,फिल्मी पत्रकारिता,रेडियो पत्रकारिता, दूरदर्शन पत्रकारिता, स्वास्थ्य पत्रकारिता, विज्ञान पत्रकारिता, विधि पत्रकारिता	15
2	समाचार लेखन	1. समाचार की व्युत्पत्ति 2. समाचार की परिभाषाएँ 3. समाचार के तत्व 4. समाचार लेखन के सिद्धांत 5. समाचार लेखन के सोपान 6. समाचारलेखन की पद्धतियाँ 7. समाचार लेखक के गुण	15

- **संदर्भ ग्रंथ :-**

1. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास– कृष्णबिहारी मिश्र
2. समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे – राजकिशोर
3. आज की हिंदी पत्रकारिता – सुरेश निर्मल
4. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संरचना – चंद्रदेव यादव
5. पत्रकारिता और संपादन कला – प्रेमनाथ राय
6. पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा – अलोक मेहता
7. हिंदी पत्रकारिता का बृहत इतिहास – अर्जुन तिवारी
8. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप एवं संदर्भ – विनोद गोदरे
9. पत्रकारिता के सिद्धांत – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी
10. पत्रकारिता: प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि– सुजाता वर्मा
11. प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातम आयाम –डॉ. अंबादास देशमुख

12. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के
13. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. महेंद्रकुमार मिश्रा
14. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. शाम सानप
15. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विशाला शर्मा

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC–1)– हिंदी पत्राचार

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course	
		Lecture	Practical
HN-SEC-114T–हिंदी पत्राचार	2	2	--

- **उद्देश्य-**

1. छात्रों को पत्राचार के शास्त्रशुद्ध प्रारूप से परिचित कराना।
2. छात्रों में पत्र लेखन कौशल को विकसित करना।
3. छात्रों को आवेदन पत्र के विभिन्न भेदों से अवगत कराना।
4. छात्रों को व्यावसायिक पत्र के विभिन्न भेदों से परिचित कराना।
5. छात्रों को सरकारी पत्र के विभिन्न भेदों से अवगत कराना।
6. छात्रों को व्यावहारिक पत्रके विभिन्न भेदों से परिचित कराना।
7. छात्रों को सरकारी कार्यालयों में रोजगार प्राप्ति हेतु तैयार करना।

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**

1. छात्र पत्राचार के शास्त्रशुद्ध प्रारूप से परिचित हो गए।
2. छात्रों में पत्र लेखन कौशल विकसित हुआ।
3. छात्र आवेदन पत्र के विभिन्न भेदों से अवगत हुए।
4. छात्र व्यावसायिक पत्र के विभिन्न भेदों से परिचित हुए।
5. छात्र सरकारी पत्र के विभिन्न भेदों से अवगत हुए।
6. छात्र व्यावहारिक पत्रके विभिन्न भेदों से अवगत हुए।
7. छात्र सरकारी कार्यालयों में रोजगार प्राप्ति हेतु तैयार हुए।

पाठ्यक्रम :-

इकाई क्रमांक	इकाई का नाम	विषय	आवश्यक तासिका
1	**पत्राचार**	1. पत्राचार का सामान्य परिचय 2. पत्र की स्वरूपगत विशेषताएँ 3. पत्र के प्रमुख अंग	15
	आवेदन पत्र	आवेदन पत्र के भेद – नौकरी, आकस्मिक अवकाश, वेतनवृद्धि	
	व्यावसायिक पत्र	व्यावसायिक पत्र के भेद – प्रार्थना पत्र, नियुक्ति पत्र, क्रयादेश पत्र	
2	**सरकारी पत्र**	सरकारी पत्रों के भेद–परिपत्र, कार्यालयीन ज्ञापन, कार्यालयीन आदेश, अधिसूचना, अर्ध सरकारी पत्र	15
	व्यावहारिक पत्र	व्यावहारिक पत्र के भेद – निमंत्रण पत्र, बधाई पत्र, अधिकारी के नाम पत्र	

- **संदर्भ ग्रंथ :-**

1. हिंदी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातम आयाम –डॉ. अंबादास देशमुख
3. व्यावहारिक हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
4. पत्रलेखन, आलेखन एवं टिप्पण – प्रो. विराज एम. ए.
5. सरकारी पत्रलेखन - डॉ. सुरेशकुमार
6. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के
7. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. महेंद्रकुमार मिश्रा
8. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. शाम सानप
9. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विशाला शर्मा

INDIAN KNOWLEDGE SYSTEM COURSE (IKS–1)– कबीर दर्शन

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course	
		Lecture	Practical
HN-IKS-115T–कबीर दर्शन	2	2	--

- **उद्देश्य-**

1. छात्रों को संत साहित्य के स्वरूप से परिचित कराना।
2. छात्रों को संत साहित्य की प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
3. छात्रों को संत साहित्य की भाषा की प्रवृत्तियों का परिचय देना।
4. छात्रों में काव्य मूल्यांकन की क्षमता विकसित करना।
5. छात्रों में सर्जनात्मक कौशल विकसित करना।
6. छात्रों में संत साहित्य के प्रति समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।
7. छात्रों को कबीरदास जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
8. छात्रों में आदर्श और मूल्यों को वृद्धिगत करना।

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**

1. छात्र संत साहित्य के स्वरूप से परिचित हो गए।
2. छात्रों को संत साहित्य की प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त हुई।
3. छात्रों को संत साहित्य की भाषा की प्रवृत्तियों का परिचय प्राप्त हुआ।
4. छात्रों में काव्य मूल्यांकन की क्षमता विकसित हुई।
5. छात्रों में सर्जनात्मक कौशल विकसित हुआ।
6. छात्रों में संत साहित्य के प्रति समीक्षात्मक दृष्टि विकसित हुई।
7. छात्र कबीरदास जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित हुए।
8. छात्रों में आदर्श और मूल्य वृद्धिगत हुए।

पाठ्यक्रम :-

इकाई क्रमांक	इकाई का नाम	विषय	आवश्यक तासिका

1	**कबीर**	अध्ययनार्थ विषय – 1) कबीर का जीवन परिचय 2) कबीर काव्य की प्रासंगिकता 3) कबीर का विद्रोह 4) कबीर के सामाजिक विचार 5) कबीर के राम	**15**
2	**कबीर के दोहे**	कबीर ग्रंथावली – संपादक आ. श्यामसुंदर दास गुरुदेव कौ अंग – 3, 10, 15, 20, 26 विरह कौ अंग – 6, 11, 22, 40, 45 माया कौ अंग – 2, 7, 9, 11, 13 सूरा तन कौ अंग – 19, 21, 24 निंद्या कौ अंग – 3, 4	**15**

- **संदर्भ ग्रंथ :-**

1. कबीर वचनामृत - सं. डॉ. विजयेंद्र स्नातक
2. कबीर की विचारधारा - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
3. कबीर साहित्य की परंपरा – आ. परशुराम चतुर्वेदी
4. कबीर एक अनुशीलन – डॉ. रामकुमार वर्मा
5. कबीर साहित्य चिंतन - दत्तात्रय टिळेकर
6. कबीर चिंतन – डॉ. ब्रजभूषण शर्मा
7. कबीर: साधना और साहित्य– डॉ. प्रतापसिंह चौहान
8. कबीर के आलोचक – डॉ. धर्मवीर

Syllabus for F.Y.U.G. (Hindi)

Semester- II

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE (DSC–3)– काव्य साहित्य एवं व्यावहारिक हिंदी

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course

		Lecture	Practical
HN-MJ-121T - काव्य साहित्य एवं व्यावहारिक हिंदी	4	4	--

- **उद्देश्य-**

1. छात्रों को हिंदी काव्य साहित्य के स्वरूप से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कवियों से परिचित कराना।
3. छात्रों में काव्य अध्ययन की दृष्टि विकसित करना।
4. छात्रों में काव्य के मूल्यांकन का कौशल विकसित करना।
5. छात्रों को काव्य की संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन से अवगत करना।
6. छात्रों को अपना स्ववृत्त लिखने की कला से अवगत कराना।
7. छात्रों में विज्ञापन लेखन कौशल को विकसित करना।
8. छात्रोंको इंटरनेट से परिचित कराना।
9. छात्रों की सर्जनात्मक शक्ति एवं संभाषण कला को विकसित करना।
10. काव्य साहित्य के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास करना।

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**

1. छात्र हिंदी काव्य साहित्य के स्वरूप से परिचित हो गए।
2. छात्र हिंदी के प्रतिनिधि कवियों से परिचित हुए।
3. छात्रों में काव्य अध्ययन की दृष्टि विकसित हुई।
4. छात्रों में काव्य के मूल्यांकन का कौशल विकसित हुआ।
5. छात्र काव्य की संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन से अवगत हुए।
6. छात्र स्ववृत्त लिखने की कला से अवगत हुए।
7. छात्रों में विज्ञापन लेखन कौशल विकसित हुआ।
8. छात्र इंटरनेट से परिचित हुए।
9. छात्रों की सर्जनात्मक शक्ति एवं संभाषण कला विकसित हुई।
10. काव्य साहित्य के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास हुआ।

इकाई क्रमांक	इकाई का नाम	विषय	आवश्यक तासिका
1	**काव्य साहित्य**	1) महाभारत-कुँवर नारायण 2) हो गई है पीर पर्वत सी – दुष्यंतकुमार 3) रोटी और संसद -धूमिल 4) किताबें झाँकती है –गुलजार	15
2	**काव्य साहित्य**	5) भरोसे की कविता - लीलाधर जगुडी 6) आदमी को प्यास लगती है –ज्ञानेंद्रपति 7) रौशनी के उस पार -ओमप्रकाश वाल्मीकि 8) नींव की ईंट हो तुम दीदी -उदय प्रकाश	15
3	**काव्य साहित्य**	9) शायरी और ऑमलेट -दामोदर मोरे 10) धार-अरुण कमल 11) सौ साल कैसे जियें -कात्यायनी 12) उतनी दूर मत ब्याहना बाबा -निर्मला पुतुल	15
4	**व्यावहारिक हिंदी**	1) स्ववृत्त लेखन 2) विज्ञापन लेखन 3) इंटरनेट क परिचय 4) हिंदी सॉफ्टवेअर	15

- **संदर्भ ग्रंथ**

1. साहित्य विविधा – संपादक: हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फूले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
2. कुँवर नारायण और उनका साहित्य – अनिल मेहरोत्रा
3. आधुनिक हिंदी के प्रतिनिधि कवि – डॉ. दारिकाप्रसाद सक्सेना
4. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. आधुनिक कविता : प्रमुख वाद एवं प्रवृत्तियाँ– दुर्गाशंकर मिश्र
6. आधुनिक काव्य : सांस्कृतिक चेतना – डॉ. राजपाल शर्मा
7. कुँवर नारायण : नैतिक संवेदना का द्वंद्व – पूनम सिंह
8. समकालीन कविता : प्रकृति और परिवेश – डॉ. रतनकुमार पांडेय
9. समकालीन हिंदी कविता - रवींद्र भ्रमर
10. समकालीन कवि : डॉ. लीलाधर जंगुडी– अंजली चौधरी

11. आधुनिक काव्य और संस्कृति – डॉ. भक्तराज शास्त्री
12. हिंदी के आधुनिक कवि – डॉ. रवींद्र भ्रमर
13. आधुनिक हिंदी कविता में काव्य चिंतन – डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
14. नई कविता : पुरातन सूत्र – डॉ. मानसिंह शर्मा
15. नई कविता का सौंदर्यबोध – डॉ.रेणू दीक्षित
16. साठ्ठोत्तरी कविता : विद्रोही प्रतिमान – डॉ. रतनकुमार पांडेय
17. संसद से सडक तक और गोलपीठा– प्रा. अनंत केदारे
18. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ. संतोषकुमार तिवारी
19. प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातम आयाम –डॉ. अंबादास देशमुख
20. व्यावहारिक हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
21. समकालीन हिंदी कविता में आम आदमी –मृदुल जोशी
22. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के
23. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विशाला शर्मा

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE (DSC–4)– कथेतर गद्य साहित्य

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course	
		Lecture	Practical
HN-MJ-122T–कथेतर गद्य साहित्य	2	2	--

- **उद्देश्य-**

1. छात्रों को हिंदी के प्रातिनिधिक गद्यकारो से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी व्यंग कहानी साहित्य से अवगत कराना।
3. छात्रों में निबंध लेखन कौशल विकसित करना।
4. छात्रों को रेखाचित्र विधा से परिचित कराना।
5. छात्रों को संस्मरण विधा से परिचित कराना।
6. छात्रों को एकांकी विधा से परिचित कराना।
7. छात्रों को यात्रा वर्णन विधा से परिचित कराना।
8. छात्रों को हिंदी एकांकी, संस्मरण, यात्रावर्णन तथा आत्मकथा विधाओं के रचनात्मक पहलुओं से परिचित कराना।

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**

1. छात्र हिंदी के प्रातिनिधिक गद्यकारो से परिचित हुए।
2. छात्र हिंदी व्यंग कहानी साहित्य से अवगत हुए।
3. छात्रों में निबंध लेखन कौशल विकसित हुआ।
4. छात्र रेखाचित्र विधा से परिचित हुए।
5. छात्र संस्मरण विधा से परिचित हुए।
6. छात्र एकांकी विधा से परिचित हुए।
7. छात्र यात्रा वर्णन विधा से परिचित हुए।
8. छात्र हिंदी एकांकी यात्रावर्णन तथा आत्मकथा विधाओं के रचनात्मक ,संस्मरण , पहलुओं से परिचित हुए।

पाठ्यक्रम :-

इकाई क्रमांक	इकाई का नाम	विषय	आवश्यक तासिका
1	कथेतर गद्य साहित्य	1) अकबरी लोटा – अन्नपूर्णानंद (व्यंग्य) 2) नाखून क्यों बढते है? – हजारीप्रसाद द्विवेदी (निबंध) 3) सरजू भैया – रामवृक्ष बेनीपुरी (रेखाचित्र)	15
2	कथेतर गद्य साहित्य	4) प्रतिशोध – डॉ. रामकुमार वर्मा (एकांकी) 5) एक बूँद सहसा ऊछली – अज्ञेय (यात्रा वर्णन) 6) राजेंद्र बाबू – महादेवी वर्मा (संस्मरण)	15

- **संदर्भ ग्रंथ :-**

1. साहित्य विविधा – संपादक: हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फूले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
2. माटी की मूरते – रामवृक्ष बेनीपुरी
3. दो एकांकी – डॉ. रामकुमार वर्मा
4. हिंदी रेखाचित्र : डॉ. हरवंशलाल शर्मा
5. यात्रा साहित्य का उद्भव और विकास : डॉ. सुरेंद्र माथुर
6. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी यात्रा साहित्य : डॉ. इरेश स्वामी
7. भारतीय साहित्यशास्त्र : आ. बलदेव उपाध्याय
8. स्मृति लेखा : अज्ञेय
9. पथ के साथी : महादेवी वर्मा
10. टुकडे टुकडे दास्तान : अमृतलाल नागर।

VOCATIONAL SKILLCOURSE (VSC–3)– माध्यम लेखन

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course	
		Lecture	Practical
HN-VSC-123T–माध्यम लेखन	2	2	--

- **उद्देश्य-**

1) छात्रोंकोमाध्यम लेखन के स्वरूप से परिचित कराना।
2) छात्रों को माध्यम लेखन के विभिन्न प्रकारों से अवगत कराना।
3) छात्रों में विज्ञापन लेखन कौशल विकसित करना।
4) छात्रों को साक्षात्कार लेखन की प्रक्रिया से अवगत कराना।
5) छात्रों में रेडियो लेखन कौशल विकसित कराना।
6) छात्रों में वार्ता लेखन कौशल निर्माण करना।
7) छात्रों में रेडियो नाटक लेखन कौशल विकसित करना।
8) छात्रों को उद्घोषणा लेखन की प्रक्रिया से अवगत कराना।
9) छात्रों में टेलीविजन लेखन कौशल निर्माण करना।
10) छात्रों को मिडिया के क्षेत्र में रोजगार प्राप्ति हेतु तैयार करना।

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**

1) छात्रमाध्यम लेखन के स्वरूप से परिचित हुए।
2) छात्र माध्यम लेखन के विभिन्न प्रकारों से अवगत हुए।
3) छात्रों में विज्ञापन लेखन कौशल विकसित हुआ।
4) छात्र साक्षात्कार लेखन की प्रक्रिया से अवगत हुए।
5) छात्रों में रेडियो लेखन कौशल विकसितहुआ।
6) छात्रों में वार्ता लेखन कौशल निर्माण हुआ।
7) छात्रों में रेडियो नाटक लेखन कौशल विकसित हुआ।
8) छात्र उद्घोषणा लेखन की प्रक्रिया से अवगत हुए।
9) छात्रों में टेलीविजन लेखन कौशल निर्माण हुआ।
10) छात्र मिडिया के क्षेत्र में रोजगार प्राप्ति हेतु तैयार हुए।

पाठ्यक्रम :-

इकाई क्रमांक	इकाई का नाम	विषय	आवश्यक तासिका
1	**विज्ञापन लेखन**	1) विज्ञापन का स्वरूप 2) विज्ञापन की परिभाषाएँ 3) विज्ञापन के गुण 4) विज्ञापन के प्रकार 5) विज्ञापन के कार्य	15
	साक्षात्कार लेखन	1) साक्षात्कार लेखन का स्वरूप 2) साक्षात्कार के तत्व 3) साक्षात्कार लेखन की प्रक्रिया	
2	**रेडियो लेखन**	1) रेडियो लेखन के सिद्धांत 2) रेडियोवार्ता लेखन 3) रेडियोनाटक लेखन 4) रेडियो उद्घोषणा लेखन	15
	टेलीविजन लेखन	1) टेलीविजन समाचार लेखन 2) संवाद लेखन 3) पटकथा लेखन 4) टेली-ड्रामा लेखन	

- **संदर्भ ग्रंथ :-**

1. विज्ञापन कला – डॉ. मधु धवन
2. मिडिया लेखन: सिद्धांत और व्यवहार –डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र
3. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता –डॉ. दिनेशप्रसाद सिंह
4. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप –डॉ. राजेंद्र मिश्र एवं राकेशशर्मा
5. मिडिया लेखन केसिद्धांत – डॉ. एन. सी.पंत
6. मिडिया लेखन –संपादक रमेशचंद्र त्रिपाठी एवं डॉ. पवन अग्रवाल
7. पटकथा लेखन – मनोहर श्याम जोशी
8. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे
9. प्रयोजनमूलक एवं व्यावहारिक हिंदी – डॉ. ओमप्रकाश सिंहल
10. समाचार, फीचर लेखन तथा संपादन कला – डॉ. हरिमोहन

11. साक्षात्कार – मनोहर श्याम जोशी
12. पत्रकारिता: प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि– सुजाता वर्मा
13. प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातम आयाम –डॉ. अंबादास देशमुख
14. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के
15. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. महेंद्रकुमार मिश्रा
16. दूरदर्शन: हिंदी के प्रयोजनमूलक विविध रूप – डॉ. कृष्णकुमार रत्तू
17. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. शाम सानप
18. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विशाला शर्मा

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC–3)– कार्यालयीन हिंदी

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course	
		Lecture	Practical
HN-SEC-124T–कार्यालयीन हिंदी	2	2	--

- **उद्देश्य-**

1. छात्रों कोकार्यालयीन हिंदी के स्वरूप से परिचित कराना।
2. छात्रों को कार्यालयीन लेखन प्रकारों से अवगत कराना।
3. छात्रों में कार्यालयीन लेखन कौशल विकसित करना।
4. छात्रों में प्रारुपण लेखन का कौशल निर्माण करना।
5. छात्रों मेंसंक्षेपण लेखन कौशल विकसित करना।
6. छात्रों में पल्लवन लेखन कौशल विकसित करना।
7. छात्रों में टिप्पण लेखन कौशल निर्माण करना।
8. छात्रों में प्रतिवेदन लेखन कौशल विकसित करना।
9. छात्रों को सरकारी कार्यालयों में रोजगार प्राप्ति हेतु तैयार करना।

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**

1) छात्र कार्यालयीन हिंदी के स्वरूप से परिचित हुए।
2) छात्र कार्यालयीन लेखन प्रकारों से अवगत हुए।
3) छात्रों में कार्यालयीन लेखन कौशल विकसित हुआ।
4) छात्रों में प्रारुपण लेखन का कौशल निर्माण हुआ।
5) छात्रों मेंसंक्षेपण लेखन कौशल विकसित हुआ।
6) छात्रों में पल्लवन लेखन कौशल विकसित हुआ।
7) छात्रों में टिप्पण लेखन कौशल निर्माण हुआ।
8) छात्रों में प्रतिवेदन लेखन कौशल विकसित हुआ।
9) छात्र सरकारी कार्यालयों में रोजगार प्राप्ति हेतु तैयार हुए।

पाठ्यक्रम :-

इकाई क्रमांक	इकाई का नाम	विषय	आवश्यक तासिका
1	कार्यालयीन हिंदी	1) कार्यालयीन हिंदी का स्वरूप 2) कार्यालयीन भाषा की विशेषताएँ	15
	प्रारुपण	1) प्रारुपण का अर्थ एवं स्वरूप 2) प्रारुपण की विशेषताएँ 3) प्रारुपण के नियम	
	संक्षेपण	1) संक्षेपण का अर्थ एवं स्वरूप 2) संक्षेपण की विशेषताएँ 3) संक्षेपण के नियम	
2	पल्लवन	1) पल्लवन का अर्थ एवं स्वरूप 2) पल्लवन की विशेषताएँ 3) पल्लवन लेखन के नियम	15
	टिप्पण	1) टिप्पण का अर्थ एवं स्वरूप 2) टिप्पण की विशेषताएँ 3) टिप्पण लेखन में महत्वपूर्ण बातें	
	प्रतिवेदन	1) प्रतिवेदन का अर्थ एवं स्वरूप 2) प्रतिवेदन की विशेषताएँ 3) प्रतिवेदन लेखन की प्रविधि	

- **संदर्भ ग्रंथ :-**

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. नरेश मिश्र
2. दी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातम आयाम –डॉ. अंबादास देशमुख
4. व्यावहारिक हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
5. पत्रलेखन, आलेखन एवं टिप्पण – प्रो. विराज एम. ए.
6. सरकारी पत्रलेखन - डॉ. सुरेशकुमार
7. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के
8. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. महेंद्रकुमार मिश्रा
9. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. शाम सानप

10. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विशाला शर्मा
11. कार्यालयीन हिंदी में प्रयोग की दिशाएँ– डॉ. उमा शुक्ल
12. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रक्रिया और स्वरूप – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
13. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी
14. प्रशासन में हिंदी– डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
15. प्रशासनिक और व्यावहारिक लेखन – डॉ. एन. ए. विश्वनाथ अय्यर